॥ दया करो भगवन ॥

दया करो भगवन, मुझ पर भी कुछ तो दया करो ।
कृपा करो भगवन, मुझ पर भी कुछ तो कृपा करो ॥

१. कभी ना तेरी माला फेरी कभी ना जाप किया है ।
मैने जाने अनजाने मे कितना पाप किया है ॥
प्रभु कितना पाप किया है ।
दया करो भगवन, मुझ पर भी कुछ तो दया करो ।

२. भट्क गया और उलझ गया मुझे मोह माया ने घेरा ।
ना कोइ मंझिल ना ही ठिकाना और ना कोइ डेरा ॥
प्रभू और ना कोइ डेरा ।
दया करो भगवन, मुझ पर भी कुछ तो दया करो ।

३. ज्ञान की ज्योति जला के प्रभुजी संकट हर लो मेरे ।
अंधियारे में दीप जला कर, कर दो दूर अंधेरे ॥
प्रभू कर दो दूर अंधेरे ॥
दया करो भगवन, मुझ पर भी कुछ तो दया करो ।
कृपा करो भगवन, मुझ पर भी कुछ तो कृपा करो ॥